

उत्तर अब्राहम लिंकन की पुनर्निर्माण योजना पर प्रकाश डालें।
उत्तरने अब्राहम लिंकन को यह विश्वास था कि दक्षिण में अनेक
एकाग्रता थी वही से कुछ अव्यर्थ दिए गए। उन्हें द्वािों से मिलने
के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता था ऐसा करने और संघ
के पुनर्स्थापना होने से गणतंत्रवादी दल कुदृढ़ होने की
संभावना थी।

योजना का स्वरूप - लिंकन के अनुसार पुनर्निर्माण
योजना का स्वरूप निम्न प्रकार होना चाहिये -

लिंकन सिद्धांत और सज्जति में विश्वास करता था।
उत्तर संघ की अधुनाता के सिद्धांत और प्रजातंत्र में विश्वास था।
सामंतीवाद के कारण उत्तरने शान्ति सम्झौते के लिए आसान
हो रही थी। वह प्रथम सज्जों को संघ में शामिल करना चाहता
था। उत्तर दिवम्बर 1863 में जनता के सामने अपनी योजना
वरत हुए सरकार के प्रति गति स्थापन गृह्य करने वालों को
सामान्य धर्म की घोषणा की इसमें परिसंघ के उच्च पंक्ति
तथा अनेक पदाधिकारी भी थे।

उत्तर योजना के द्वारा लिंकन को यह आशा थी कि
दक्षिण के नेता दासों को लक्ष के लिए स्तम्भ कर देंगे। उत्तर यह
भी आशा थी कि वे समयान्तरित और संघीय सैन्य में गति
हुए गीतों लोगों को गताधिकार देंगे। 1864 ई. में तीन
दक्षिण सज्जों लुसियाना, आर्किसास और टेनेसी में लिंकन
की योजना के अनुसार सामान्य सरकार की स्थापना हुई।
लिंकन की उत्तरवादी योजना से अतिवादी

गणतंत्रवादी भीति थी। कॉलेस में उत्तर अनेक प्रभाव-ला
आता उत्तर तीन सज्जों और टेनेसी के प्रतिनिधि कॉलेस में
सम्मिलित नहीं किये गये। सन् 1864 के निर्वाचन में इन
सज्जों के निर्वाचक मतदाता की गणना भी नहीं की गई।

लिंकन की योजना को अक्षम के लिए अनेक
उत्तरवादीयों के गणतंत्रवादीयों ने अतिवादीयों का साथ दिया।
अतिवादीयों ने लिंकन की योजना को रद्द कर ली और अपनी
ओर से एक योजना पेश की इस योजना में भी कुछ
बोध थी -

उन्होंने पुनर्निर्माण योजना के संबंध में हीक संविधान
नहीं किया था। उन्हें अपने शान्ति सम्झौते की शान्ति की कठोरता
प्राप्त नहीं थी उन्हें यह पता नहीं था कि उत्तर पेश की योजना
उत्तरवादी नेताओं के विचार से कदावक सफल हो जाई 1864

ने वोट में आकर कांग्रेस ने वेड डेविड विधायक पारित किया अतिवाधियों की यह पहली पुनर्निर्माण योजना थी इसके उपरांत के कुछ दिनों में कांग्रेस थी।

राष्ट्रपति प्रत्येक वर्ष एक सत्र में एक अधिवेशन की नियुक्ति करता है जो एक विशेष प्रकार की गणनात्मक कार्योत्तर विधायक के द्वारा समितिवादी की शायद ही एक बार संविधान के लिए निर्वाचन करवाया जा सके प्रतिनिधियों के निर्वाचन में वे ही लोग महत्वपूर्ण रहे जो यह शायद ही संसद सत्र के विरुद्ध उठेगी न लाया नहीं उठाई है। समिति संविधान का निर्माण करता है। इसके बाद-उद्घरण, परसंध के पौनिक अर्थिक नेमाओं को महासभा से वसित करने तथा परसंध और सत्र सत्रों के परिसमापन उपलब्ध के बाद में ही लाया जाता है। इस शक्ति की पूर्ति के बाद ही कांग्रेस समिति सत्रों को संध में पुनः सम्मिलित कर सकती है। नीचे की दिमें जानें वाले राजनीतिक अधिकार सत्रों के निर्वाचन पर बाँट दिये जाते।

डेविड विधायक कांग्रेस के स्थापित होने के कुछ ही वर्षों में वेड डेविड विधायक पारित कर दिया गया, किन्तु लिंकन ने इस पर निषेधाधिकार लागू किया इस पर इसके प्रयोग वेजाविन एक वेड और हेनरी विरर-डेविड लिंकन पर कुछ ही उठे। उन्होंने डेविड घोषणा पर जारी करके राष्ट्रपति के विरोधाभासिक तथा कांग्रेस की पुनर्निर्माण शक्ति में इस पर राष्ट्रपति के हस्तक्षेप और निर्वाचन की धोर निरुद्ध की।

लिंकन अतिवाधियों की शक्ति और शक्ति की स्थापना नहीं कर सका जो वह काफी लंबाई कुशल था। उसने एक नए दृष्टिकोण से पुनर्निर्माण के प्रश्न में देखा और एक दिनांक तक उसका लोगो पर अधिकाधिक धर्म प्रसार करा जा सके।

इसी साल 14 अप्रैल 1865 ई को अतिवादी गौन विच्छेद युद्ध ने वाशिंगटन गाँव में लिंकन पर गौली पली और 15 अप्रैल 1865 की प्रात लिंकन का निधन हो गया। लिंकन के मृत्यु के बाद-द्वारा के साथ उसकी उदात्त शक्ति-लक्ष्यों में नीति का कार्यान्वयन भी नहीं किया जा सका।